नोएडा/गाजियाबाद › शुक्रवार, 15 सितंबर 2023 › भाद्रपद 24, शक संवत 1945, भाद्रपद कृष्ण अमावस्या, विक्रम संवत 2080 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 77, संख्या 220 › पेज 16* › मूल्य 4.00 या 9.00* रुपये द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

NBT

नवभारत टाइम्स

सनातन को मिटाना चाहता है विपक्ष:PM

देखें अंदर

छात्रा की मौत मामले में जांच कराएंगेः बाइडन प्रशासन

देखें अंदर

यीडा में बसेगी ओलिंपिक सिटी, बनेंगे 29 स्टेडियम

बोर्ड से मंजूर हुए मास्टरप्लान 2041 में प्रमुखता से किया गया शामिल

■ प्रमुख संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

यमुना अथॉरिटी अपने एरिया में 390 हेक्टेयर जमीन पर ओलिंपिक सिटी बसाएगी। इसमें अलग-अलग स्पोर्ट्स के लिए 29 स्टेडियम और ओलिंपिक विलेज भी बनाए जाएंगे। भविष्य में ओलिंपिक गेम्स कराए जा सकें इसी को ध्यान में रखते हुए अथॉरिटी ने अपने मास्टरप्लान 2041 में इसके प्रस्ताव को प्रमुखता से शामिल किया है। संशोधित मास्टर प्लान 2041 को बुधवार को हुई बोर्ड बैठक में मंजूरी दे दी गई है। अब अगले महीने तक शासन स्तर से इस मास्टरप्लान पर मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

बता दें कि यमुना अथॉरिटी ने मास्टर प्लान 2041 को बोर्ड बैठक से मंजूरी देने के बाद पहले भी शासन को भेज दिया था। उसके बाद बुलंदशहर और खुर्जा के 55 गांवों की जमीन भी यमुना अथॉरिटी एरिया में शामिल करने के लिए सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया था। इस बदलाव के बाद एक बार फिर से संशोधित मास्टर प्लान 2041 को तैयार कराया गया है। उसमें इन नए 55 गांवों की जमीन पर किए जाने वाले विकास का खाका भी तैयार किया गया है। यमुना अथॉरिटी के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि मास्टर 2041 में यीडा सिटी में ओलिंपिक सिटी स्थापित करने के प्रस्ताव को प्रमुखता से शामिल किया गया है। यहां से एयरपोर्ट की सीधी कनेक्टिविटी होगी। इसके साथ ही 52.4 हेक्टेयर में ओलंपिक विलेज भी बसाया जाएगा। इस ओलिंपिक विलेज में 5 हजार फ्लैट तैयार किए जाएंगे, जिनमें 1 बीएचके, 2 बीएचके और 3 बीएचके साइज के फ्लैट होंगे। इनका इस्तेमाल गेम्स के दौरान आने वाले खिलाड़ियों, अधिकारियों व अन्य लोगों के लिए किया जाएगा।

390 हेक्टेयर में ओलिंपिक सिटी बसाने की है तैयारी अलग-अलग खेल के लिए बनाए जाएंगे स्टेडियम

52.4 हेक्टेयर में ओलिंपिक विलेज भी यहां पर बसाया जाएगा

ओलिंपिक के लिए तैयारी

भारत में ओलिंपिक गेम्स कराने के लिए अभी संसाधनों की कमी है। यही वजह से कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के साथ विकसित हो रही यीडा सिटी में ओलिंपिक सिटी स्थापित करने का फैसला लिया गया है, जिससे कि भविष्य में ओलिंपिक गेम्स कराने का मौका मिले तो इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर सवाल न उठे और भारत इसके लिए पहले से तैयार रहे। इसी के चलते यीडा सिटी में 390 हेक्टेयर में 29 स्टेडियम स्थापित किए जाएंगे। इनमें ओलिंपिक गेम्स के लिए अप्रूव्ड हर एक प्रकार के गेम्स के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किए जाएंगे।

PPP मॉडल पर विकास

मास्टरप्लान 2041 में यह तय हो गया है कि भविष्य में इतनी जमीन का इस्तेमाल ओलिंपिक सिटी व ओलंपिक विलेज बनाने पर किया जाएगा। जब प्रॉजेक्ट को बनाने के बारे में प्लानिंग शुरू होगी तो इसकी डीपीआर तैयार की जाएगी जिसमें यह तय किया जाएगा इसे स्थापित करने के क्या बायलॉज होंगे। बताया जा रहा है कि यमुना अथॉरिटी इसे पीपीपी मॉडल पर तैयार करेगी।

विवादों में स्पोर्ट्स सिटी

नोएडा में इंटरनैशनल स्तर की स्पोर्ट्स सिटी बनाने का प्लान पहले बना था। बिल्डरों को जमीन बेच दी गई थी। स्पोर्ट्स सिटी स्थापित करने की शर्त होने की वजह से इन बिल्डरों को ग्रुप हाउसिंग के लिए सस्ती जमीनें दी गई जो कि बाद में विवाद का कारण बनी। अभी यह स्पोर्ट्स सिटी फंसी हुई है और सुलझाने को लेकर नोएडा से लेकर शासन स्तर तक कोशिश जारी है।

“ मास्टर प्लान 2041 में यीडा सिटी में ओलिंपिक सिटी स्थापित करने के प्रस्ताव को प्रमुखता से शामिल किया गया है। जल्द ही शासन स्तर से मंजूरी मिलने की उम्मीद है। **-अरुणवीर सिंह**, सीईओ